पंचकर्म टेक्नीशियन
एक वर्षीय प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम
प्रथम प्रश्न–पत्र
सैद्यांतिक

कुल अंक– 100

आयुर्वेद परिचय एवं शरीर –

आयुर्वेद की परिभाषा, आयु की परिभाषा, आयुर्वेद का प्रयोजन एवं अंग, आयुर्वेद के मौलिक सिद्धांत, त्रिदोष सिद्धांत, पंचमहाभूत सिद्धांत, सामान्य विशेष सिद्धांत ई. लघुत्रयी एवं बृहत्रयी का संक्षिप्त परिचय, लोक पुरुष साम्यवाद।

शरीर रचना –

शरीर एवं शरीर की परिभाषा, शरीर ज्ञान का प्रयोजन, षड्ग शरीर, प्रत्यंग शरीर, अस्थि संधि सिस धमनी, स्रोतस स्नायु, पेशी नाडी का सामान्य परिचयात्मक वर्णन, कोष्ठ कोष्ठांगों का सामान्य परिचयात्मक वर्णन विभिन्न संस्थानों के अवयवों का रचनात्मक वर्णन, मर्म शरीर।

शरीर क्रिया –

दोषधातु एवं मल परिचय, गुण एवं कर्मात्मक वर्णन, आहार पाचन क्रिया, रक्त संवहन प्रक्रिया, मूत्र निर्माण, धातु निर्माण, मल निर्माण एवं निष्कासन।

रोग निदान एवं चिकित्सा–

ब्याधि परिभाषा एवं वर्गीकरण, निदान पंचक परिचय, षट्क्रियाकाल रोगमार्ग, वृद्धिक्षय लक्षण आम साम निराम विवेचन, व्याधिक्षमत्व एवं ओज, रोग एवं रोगी परीक्षा, उपद्रव एवं अरिष्ठ, काय एवं चिकित्सा की परिभाषा, चिकित्सा वर्गीकरण, चिकित्सा के मौलिक सिद्धांत, निम्नलिखित व्याधियों के निदान, सम्प्राप्ति लक्षण एवं चिकित्सा–ज्वर, रक्तपित्त, प्रमेह, कुष्ठ, राजयक्षमा, अतिसार, ग्रहणी, श्वास कास, हिक्का, पाण्डू, कामला, वातब्याधि, आमवास वातरक्त, संधिवात, उरुस्तंभ, त्वकविकार।

प्रायोगिक

कुल अंक 100

अस्थियों का प्रदर्शन, शरीर अंगों एवं संस्थानों का मॉडल एवं चार्टस के माध्यम से प्रत्यक्ष दर्शन शरीर ताप मापन यंत्र परिचय एवं ताप मापन विधि, रक्त भार मापन एवं यंत्र परिचय एवं मापन विधि, माइक्रोस्कोप के माध्यम से रक्तकणिकाओं का प्रत्यक्ष दर्शन आदि।

Scanned by CamScanner

शरीर रचना –

1.	शरीर रचना विज्ञान	तारापचन्द शर्मा
2.	शरीर रचना विज्ञान	प.ग. आठवले
3.	शरीर रचना विज्ञान	दिनकर गोथत्ते
4.	आयुर्वेदिक क्रिया शरीर	शिवकुमार गौंड
5.	आयुर्वेदिक क्रिया शरीर	शिवचरण ध्यानी
6.	आयुर्वेद परिचय एवं इतिहास	रविदत्त त्रिपाठी

रोगी परीक्षा विधि का एवं परीक्ष्य भावों का अध्ययन रक्त मूत्र पुरीष परीक्षा, प्रयोगशालीय कार्यों का आलेख चिकित्सकीय यंत्रों का प्रायोगिक ज्ञान।

आलोच्य ग्रन्थ –

1.	आयुर्वेदीय विकृति विज्ञान	डॉ. विद्याधर शुक्ल
2.	माधव निदान मधूकोषटिका	डॉ. रविदत्त त्रिपाठी
3.	कार्य चिकित्सा	विद्याधर शुक्ला
4.	क्लीनिकलपैथालॉजी	डॉ. शिवनाथ खन्ना

Scanned by CamScanner

द्वितीय प्रश्न पत्र

सैद्धांतिक

कुल अंक– 100

1. पंचकर्म उपकल्पना विज्ञान :–

भैषज्य कल्पना का आधारभूत सिद्धांत पंचविधिकषाय कल्पना का सामान्य ज्ञान चतुर्विध स्नेहों के गुणकर्म, स्नेह प्रविचारणायें, स्नेह पाक विधि जैसे महानारायण तैल, विषगर्भ तैल, चंदनबलालाक्षादि तैल, सैन्धवादि तैल, त्रिफला घृत, पंचतिक्त घृत, पंचतिक्तघृत गुग्गुल, ब्राह्मीघृत, अणुतैल, षड़बिन्दु तैल, जात्यादि तैल, दशमूलादि तैल आदि। घृत एवं तैल का मूर्छन संस्कार।

षष्ठिकशाली स्वेद निर्माण, पत्रपिण्ड स्वेद निर्माण विधि, साल्वण स्वेद, विभिन्न प्रकार के स्वेदों हेतु उपयोग द्रव्यों एवं उपकल्पनाओं का ज्ञान।

चरकोक्त उपकल्पनीय एवं कल्प स्थान का सामान्य परिचय :–

वामक एवं वमनोपग द्रव्यों के सामान्य परिचय संरक्षण विधि एवं काल आदि का ज्ञान, विभिन्न वमन कल्पों का निर्माण एवं उनके उपयोग की विधि, वमन क्रिया से संबंधित कल्पनाओं, का उपयोग एवं सावधानियाँ वमन एवं विरेचन पूर्व आहार कल्पना।

विरेचक एवं विरेचन कल्पनों के सामान्य परिचय संरक्षण विधि एवं काल आदि का ज्ञान, विभिन्न विरेचन कल्पों का निर्माण एवं उनके उपयोग की विधि, विरेचन क्रिया से संबंधित कल्पनाओं के उपयोग एवं सावधानियाँ।

आस्थापन (निरूह) अनुवासन हेतु उपयोग द्रव्यों का सामान्य परिचय :–

आस्थापन बस्ति के घटक, मात्रा, संयोजन, विधि आदि विभिन्न आस्थापन बस्तियों की निर्माण विधि जैसे माधुतैलिक, पिच्छा बस्ति, कृमिहर बस्ति, युक्त रथ बस्ति, सिद्ध बस्ति, वाजीकरण बस्ति, रसायन बस्ति आदि। स्नेह बस्ति के विभिन्न प्रकल्पों का ज्ञान।

नस्यभेदानुसार प्रकल्पों का ज्ञान जैसे अवपीडन नस्य, मर्श, प्रतिमर्श, ध्मापन, धूम। शोधन, शमन एवं बृहण नस्य के प्रकल्पों का ज्ञान।

संसर्जन क्रम हेतु उपयोग विभिन्न कल्पनाओं का ज्ञान यथा–पेया, विलेपी, अकृतयूष, कृतयूष, अकृत मांस–रस, कृत मांसरस, कृशरा एवं पत्थ्य कल्पना आदि।

2. पंचकर्म विधि विज्ञान :–

संशोधन एवं संशमन चिकित्सा पद्धतियों का ज्ञान, पंचेकर्म का सामान्य परिचय, परिभाषा, प्रयोजन। पंचकर्म के अयोग्य व्यक्ति, पंचकर्म कालाविधि का ज्ञान। अष्टमहादोष्करभाव, पूर्वकर्म यथा–पाचन स्नेह स्वेदन तथा स्नेह स्वेद की विभिन्न प्रक्रियायें जैसे षष्ठिकशाली स्वेद, तिलमाष पिण्ड स्वेद, नाड़ी स्वेद, सवांग स्वेद, अन्य स्वेदन विधियॉ जैसे अण्ड स्वेद, जम्बीर पिण्डस्वेमद, शिरोधारा, शिरोबस्ति, कटि बस्ति, हृदबस्ति, जानुबस्ति पत्र पिण्ड स्वेद सवांगंधारा, अवगाहपरिषेक आदि। अक्षितर्पण, पुटपाक, विडालक, कर्णपूरण आदि का ज्ञान। स्नेहनस्वेदन का सामान्य परिचय भेद, मात्रा, योग्य अयोग्य, व्यापद् एवं चिकित्सा।

Scanned by CamScanner

प्रधानकर्म वमन, विरेचन, निरूह बस्ति, अनुवासन बस्ति, नस्य, रक्तमोक्षण का सामान्य परिचय, परिभाषा, योग्य अयोग्य, सम्यक्, अति एवं अयोग्य का ज्ञान, विधि मात्राकालादि का निर्धारण, व्यापद एवं चिकित्सा उस्तम, मध्यम एवं हीन शुद्धि निर्धारण का ज्ञान एवं संसर्जन क्रम।

प्रायोगिक

कुल अंक– 100

(1) उपरोक्तानुसार प्रात्यक्षिक कर्माभ्यास।

(2) प्रायोगिक कार्यों से संबंधित न्यूनतम पत्रों का निर्माण।

आलोच्य ग्रन्थ :–

द्रव्यगुण एवं भैषज्य कल्पना	:	सिद्धिनंदन मिश्र
पंचकर्म विज्ञान	:	एच.एस. कस्तुरे
चरक संहिता	:	

Scanned by CamScanner